सोनाली मिश्रा, भा.पु.से.
महानिदेशक/ रेलवे सुरक्षा बल

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
रेलवे बोर्ड, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली–110001
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF RAILWAYS
RAILWAY BOARD, RAIL BHAWAN
RAISINA ROAD, NEW DELHI-110001

रेल सुरक्षा बल के प्रिय अधिकारीगण एवं बल सदस्य,

मैं अत्यंत गर्व और विनम्रता के साथ रेल सुरक्षा बल के महानिदेशक का पदभार ग्रहण कर रही हूँ। इस प्रतिष्ठित बल का नेतृत्व करना मेरे लिए व्यक्तिगत सम्मान और अत्यंत पेशेवर जिम्मेदारी की बात है। इस अवसर पर मैं इस प्रतिष्ठित संगठन के प्रति आप सभी की प्रतिबद्धता, अनुशासन और अटूट सेवा के लिए हार्दिक प्रशंसा अभिव्यक्त करती हूँ।

रेल सुरक्षा बल आज परंपरा और परिवर्तन के संगम पर खड़ा है। विश्व के सबसे बड़े रेल नेटवर्क के संरक्षक के रूप में, हम प्रतिदिन पूरे भारत में यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण कर्तव्य निभाते हैं। इस सक्रिय सुरक्षा परिदृश्य में, यह आवश्यक है कि हम उद्देश्य और दृढ़ विश्वास के साथ इस परिवर्तन को अपनाएं।

हमारा ध्यान अवसंरचना, यात्रियों विशेषकर जो परेशानी में हैं, की सक्रिय सुरक्षा पर केंद्रित होना चाहिए। मानव तस्करी, महिलाओं के प्रति अपराध और आपराधिक तत्वों द्वारा रेल नेटवर्क के दुरुपयोग के बढ़ते संकट को देखते हुए अधिक सतर्कता तथा त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता है। मैं आप सभी से आग्रह करती हूं कि आप केवल ढाल न बनें, बल्कि बच्चों, बुजुर्गों और समाज के अन्य कमज़ोर वर्गों की आवाज़ भी बनें। आइए, हम अपने उद्देश्य "सेवा ही संकल्प" (Service as our Solemn Resolve) की सच्ची भावना के अनुरूप करुणा और साहस दोनों को प्रतिबिंबित करते हुए मानवीयता से सुरक्षा की भावना पैदा करें।

इन उभरती हुई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए, हमें प्रौद्योगिकी का पूर्ण उपयोग करना होगा। डेटा इंटेलिजेंस, स्मार्ट निगरानी प्रणालियों, पूर्वानुमान विश्लेषण और आधुनिक एआई उपकरणों का एकीकरण हमारी परिचालनिक संरचना का केंद्रबिंदु बनना चाहिए। केंद्रित प्रशिक्षण, कौशल विकास और निरंतर व्यवसायिक विकास के माध्यम से क्षमता निर्माण भी उतना ही महत्वपूर्ण है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रेल सुरक्षा बल का प्रत्येक सदस्य अनुकूलन, नवाचार और आत्मविश्वास के साथ कार्य करने के लिए सशक्त हो।

हमें व्यावहारिक रूप से विकसित होने के साथ-साथ कल्याण और अनुशासन के बीच संतुलन भी बनाए रखना होगा। ये प्रेरित, लचीले और जिम्मेदार सुरक्षा बल को सुदृढ़ बनाए रखने के दो मूलभूत स्तंभ हैं। प्रौद्योगिकीय उन्नति को मानव संसाधन के साथ जोड़कर देख-रेख और ईमानदारी की संस्कृति को पोषित करते हुए हम संभावित खतरों को रोक सकते हैं और रेल सुरक्षा बल के समग्र प्रभाव को बढ़ा सकते हैं।

मैं सम्मान, समावेशिता और जवाबदेही पर आधारित कार्य वातावरण को बढ़ावा देने हेतु मिलकर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। आपकी प्रतिक्रिया, अंतर्दृष्टि और क्षेत्र के अनुभव हमारे सामूहिक मार्ग को आकार देने में बहुमूल्य हैं। मैं खुले संवाद, निरंतर सीखने और सबसे बढ़कर गरिमा और सम्मान के साथ सेवा करने की साझा प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करती हूँ।

आइए, हम सब मिलकर हमारे आदर्श वाक्य "यशो लभस्व" (Attain Honour) की भावना से पूर्ण साहस के साथ सुरक्षा, करुणा के साथ सेवा और जन सेवा में ईमानदारी और उत्कृष्टता के आदर्श के रूप में खड़े होने की प्रतिज्ञा लें।

मैं आप सभी के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं क्योंकि हम रेल सुरक्षा बल को दक्षता, सुरक्षा और उद्देश्य के साथ भविष्य की ओर ले जा रहे हैं।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

सोनाली

(सोनाली मिश्रा)